2025

M.A. 3rd Semester Examination

HINDI

Paper : HIN - 301

[हिंदी उपन्यास]

Full Marks : 50 Time : Two Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के आलोचनात्मक उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) उपन्यास का अर्थ स्पष्ट करते हुए हिंदी उपन्यास के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'गोदान' कृषक जीवन का महाकाव्य है।' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ग) 'मैला आँचल' का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'आपका बंटी' में व्यक्त बाल मनोविज्ञान के आलोक में बंटी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) "जब दूसरे के पाँवों-तले अपनी गर्दन दबी हुई है, तो उन पाँवों को सहलाने में ही कुशल है।" यह उक्ति किसकी है? इसमें निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ख) "गाँव के लोग बड़े सीधे दिखते हैं, सीधे का अर्थ यदि अपढ़, अज्ञानी और अंधविश्वासी हो तो वास्तव में वे सीधे हैं। जहाँ तक सांसारिक बुद्धि का सवाल है, वे हमारे और तुम्हारे जैसे लोगों को दिन में पाँच बार ठग लेंगे। और तारीफ यह है कि तुम ठगी जाकर भी उनकी सरलता पर मुग्ध होने के लिए मजबूर हो जाओगी।" यह कौन, किससे और किनके बारे में कहता है? उपरोक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

(ग) "हाँ होता है ऐसा। पापा कोई ऐसा-वैसा आदमी था? राजा था। उसके पास राज्य के बहुत सारे काम थे.... बच्चों का ख्याल ही नहीं रहा। पापा लोग ऐसे ही होते हैं? उन्हें बच्चों का ख्याल कभी रहता ही नहीं। यह तो माँ ही होती है, जो ....।" प्रस्तुत गद्यांश कहाँ से लिया गया है? इसका भावार्थ लिखिए।

(घ) "गाँव में तो बिना जाति के आपका पानी नहीं चल सकता।" यह किसकी उक्ति है और किस संदर्भ में कही गई है?

(ङ) मालती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'मैला आँचल' की भाषा-शैली पर टिप्पणी लिखिए।

Internal Assessment : 10 marks